दिनांक 21.10.2025
प्रेस विज्ञप्ति 29/2025

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

कमिश्नरेट लखनऊ की पुलिस लाइन्स में मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 की गरिमामयी उपस्थिति में पुलिस स्मृति दिवस–2025 की परेड का आयोजन

आज दिनांक 21–10–2025 को प्रातः पुलिस लाइन लखनऊ में पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया। **श्री राजीव कृष्णा**, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 के आगमन पर परेड स्थल पर उन्हें सलामी दी गयी। परेड कमाण्डर श्री अविनाश पाण्डेय, सेनानायक यूपीएसएसएफ प्रथम वाहिनी, तथा द्वितीय कमाण्डर सुश्री किरण यादव, अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट लखनऊ व परेड एड्जूटेन्ट श्री सुनील कुमार शर्मा पुलिस उपाधीक्षक अभिसूचना कानपुर रहे। परेड में नागरिक पुलिस, पीएसी, महिला पुलिस, जी0आर0पी0, फायर सर्विस, यातायात पुलिस, एटीएस, आर0आर0एफ0, एसडीआरएफ एवं एसएसएफ सहित कुल 12 टुकड़ियां सम्मिलित हुई।

इसके उपरांत माननीय **मुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री योगी आदित्यनाथ जी** का आगमन हुआ। श्री राजीव कृष्णा, पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 एवं श्री रामकृष्ण स्वर्णकार, अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी के साथ माननीय मुख्यमंत्री जी सलामी मंच पर पहुँचे। परेड द्वारा उन्हें सलामी दी गयी, तत्पश्चात श्रीमती आभा पाण्डेय, पुलिस उपाधीक्षक, अभिसूचना मुख्यालय लखनऊ द्वारा शहीद पुस्तिका को ससम्मान सलामी मंच तक लाया गया, जहॉ पर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी ने शहीद पुस्तिका को सलामी मंच पर प्रतिस्थापित किया।

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम सब देश के समस्त शहीद पुलिस जनों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्र हुए हैं। जिन्होंने राष्ट्र की सेवा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर अप्रतिम कर्तव्य प्रायणता का परिचय दिया है। वर्ष 2024/25 में कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों में उत्तर प्रदेश पुलिस के तीन बहादुर पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। इस अवसर पर मैं सभी शहीद पुलिस जनों को नमन अर्पित करता हूं। शहीद पुलिस जन के परिवार के सदस्यों को मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारी सरकार, उनके कल्याण और उनकी सभी प्रकार की सुविधाओं के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी जरूरी कदम उठाने के लिए हमेशा तत्पर रही है और आगे भी रहेगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस प्रदेशवासियों को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल देने के लिए लगातार अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। इस दौरान अदम्य साहस और कर्तव्यों का पालन करते हुए कई यूपी पुलिसकर्मी शहीद हो गये। पिछले आठ वर्ष में अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो

गये, जबकि 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच तीन पुलिसकर्मी शहीद हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

प्रदेश पुलिस के तीन वीर सपूतों निरीक्षक/दलनायक सुनील कुमार (एसटीएफ), मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जनपद जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर) ने कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध कर दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस का हर जवान देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान देने से पीछे नहीं हटता। उनके साहस, समर्पण और वीरता ने पूरे पुलिस बल को गौरवान्वित किया है। इन वीर सपूतों ने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

20 जनवरी 2025 की रात **निरीक्षक/दलनायक सुनील कुमार** एसटीएफ उत्तर प्रदेश की टीम के साथ एक लाख के इनामी अपराधी अरशद की तलाश में निकले थे। उप निरीक्षक प्रमोद कुमार मय टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि अरशद और उसके साथी सफेद ब्रेज़ा गाड़ी में किसी बड़े अपराध की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ टीम ने रात 11 बजे बिडौली चैसाना चौराहा, जनपद शामली पर घेराबंदी की। गिरफ्तारी के प्रयास में बदमाशों ने उदयपुर भट्ठे के पास पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की बौछार के बीच निरीक्षक सुनील कुमार को कई गोलियां लगीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और नेतृत्व जारी रखा। उनकी टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें चार बदमाश घायल हुए और बाद में उनकी मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल निरीक्षक सुनील कुमार को अमृतधारा अस्पताल करनाल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें मेदांता गुरुग्राम रेफर किया गया। उपचार के दौरान 22 जनवरी 2025 की दोपहर 2:30 बजे उन्होंने वीरगति प्राप्त की। उनका यह बलिदान उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया।

मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह की ड्यूटी 12 मई 2025 को प्रभारी निरीक्षक चन्दवक, जौनपुर के हमराह के रूप में लगाई गई थी। 17 मई को वे तहसील दिवस के बाद थाना जलालपुर जौनपुर क्षेत्र में गो–तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में शामिल थे। प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह के साथ वे खुज्झी मोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। रात लगभग 11:50 बजे पिकअप वाहन (संख्या यूपी 65 पीटी–9227) के चालक और सवार अभियुक्तों को रोकने के लिए इशारा किया गया। तभी चालक ने जान से मारने की नियत से वाहन मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह के ऊपर चढ़ा दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल बीएचयू वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर अभियुक्तों का पीछा किया। अभियुक्तों ने ग्राम सतमेसरा के बगीचे में छिपकर पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें जवाबी कार्रवाई में तीनों अभियुक्त घायल हुए और एक अभियुक्त सलमान की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह का यह बलिदान न केवल जौनपुर पुलिस बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बन गया।

आरक्षी सौरभ कुमार की ड्यिूटी 25 मई 2025 को उप निरीक्षक सचिन राठी के नेतृत्व में मय पुलिस टीम थाना फेस–3, गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में पंजीकृत एक मामले के वांछित अभियुक्त कादिर की तलाश में गई। निरीक्षक निखिल मय टीम ग्राम नहाल थाना मसूरी, गाजियाबाद पहुँची। मुखबिर ने बीच में बैठे व्यक्ति की पहचान कादिर के रूप में कराई। पुलिस ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया, लेकिन कादिर ने शोर मचाना शुरू कर दिया। उसकी आवाज सुनते ही भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। कादिर को गाड़ी में बैठाने के दौरान उसके भाई और अन्य लोगों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान कांस्टेबल सौरभ कुमार के सिर में गोली लगी और कांस्टेबल सोनित भी घायल हो गए। जब पुलिस घायल जवानों को गाड़ी में बैठाने लगी, तब भीड़ ने फिर से पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। टीम के कुछ सदस्य घायल सौरभ कुमार को लेकर तत्काल यशोदा अस्पताल, नेहरू नगर, गाजियाबाद पहुँचा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरक्षी सौरभ कुमार ने विपरीत परिस्थितियों में भी बहादुरी दिखाते हुए साथियों के साथ कर्तव्य निभाया और अपने प्राणों की आहुति दी।

प्रदेश सरकार द्वारा कर्तव्य पालन के दौरान शहीद पुलिस कर्मियों केंद्रीय अर्द्धसैन्य बलों अन्य प्रदेशों के सैन्य बलों व भारतीय सेना में कार्यरत एवं मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले 96 शहीद पुलिस कार्मिकों के आश्रितों को इस अवधि के दौरान 30 करोड़ 70 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। प्रदेश पुलिस बल के सदस्यों ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मानकर अपराधों पर नियंत्रण करने, कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने, सामाजिक सौहार्द स्थापित करने, विशेषकर बालिकाओं तथा महिलाओं की सुरक्षा में सराहनीय भूमिका निभाई है।

उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा विभिन्न कंपनियों के सहयोग से 1 जनवरी 2023 से 10 अक्टूबर 25 के दौरान आत्महत्या संबंधी पोस्ट पर प्राप्त अलर्ट का संज्ञान लेकर 1460 लोगों को की प्राणों की रक्षा की है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रदेश पुलिस बल के सभी सदस्य, पूरी ईमानदारी, कानून के प्रति निष्ठा कर्तव्य प्रारायणता तथा जनसेवा भाव से कार्य करते हुए उत्तर प्रदेश की जनता में सुरक्षा की भावना को और सुदृढ़ करने का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते रहेंगे। कर्तव्य पथ पर प्राणोत्सर्ग करने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस बल के वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मैं अपनी बात को यहीं पर समाप्त करता हूं।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा शहीद पुलिसजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा गया कि, आज हम अपने उन वीर साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये यहां एकत्र हुए हैं जिन्होंने कर्तव्य की वेदी पर गत एक वर्ष में अपने प्राण न्योछावर किये हैं।

इस महान राष्ट्र की मिट्टी में शौर्य रचा–बसा है, जहाँ बलिदान की परंपरा युगों–युगों से जीवंत है। आज से 66 वर्ष पूर्व भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में 21 अक्टूबर 1959 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवानों ने चीनी सैनिकों का बहादुरी पूर्वक मुकाबला करते हुए अपने प्राणों की आहुतियॉ दी थी। इन्हीं अमर वीर जवानों की याद में पुलिस स्मृति दिवस मनाए जाने की परम्परा प्रचलित है।

विगत वर्ष भारतवर्ष में राज्य एवं केंद्रीय पुलिस बल के कुल 186 शूरवीरों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहूति दी है। मैं राज्यवार व संगठनवार विवरण प्रस्तुत कर रहा हूँ।

इसमें आंध्रप्रदेश–05, अरुणाचल प्रदेश–01, असम–02, बिहार–08, छत्तीसगढ़–16, गुजरात–03, झारखण्ड–01, कर्नाटक–08, केरल–01, मध्य प्रदेश–08, महाराष्ट्र–01, मणिपुर–03, नागालैण्ड–01, ओडिशा–02, पंजाब–03 राजस्थान–07 तमिलनाडु–06, तेलंगाना–05, त्रिपुरा–02, उत्तर प्रदेश 03, उत्तराखण्ड–04, पश्चिम बंगाल 12, चण्डीगढ़–02, दिल्ली–08, जम्मू कश्मीर–14, लद्दाख–01, असम राइफल्स–02, बीएसएफ–23, सीआईएसएफ–06, सीआरपीएफ–08, आईटीबीपी–05, एसएसबी–05, एनडीआरएफ–01, एवं आरपीएफ के 09 जवान सम्मिलित हैं ।

उत्तर प्रदेश में विगत एक वर्ष में 03 पुलिसकर्मी वीर गति को प्राप्त हुए हैं, जिनमें निरीक्षक/दलनायक सुनील कुमार एस0टी0एफ0 उत्तर प्रदेश, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह जनपद जौनपुर व आरक्षी सौरभ कुमार कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने सर्वोच्च बलिदान दिया है ।

मैं इन दिवंगत पुलिस जनों को समस्त पुलिस परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ और उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि उनके परिजन को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

साथियों माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश पुलिस आज जिस नई दिशा में आगे बढ़ रही है, वह हमारे शहीदों के त्याग को सार्थक करने की संकल्पित यात्रा भी है। इसी भावना के साथ मेरे द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी के विजन को समग्रता में क्रियान्वित करने हेतु उत्तर प्रदेश पुलिस हेतु दस प्राथमिकताओं का निर्धारण किया गया है।

हम एक ऐसे पुलिस तंत्र का निर्माण कर रहे हैं, जहाँ अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस हो, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि हो, और हर नागरिक की शिकायत को संवेदनशीलता और त्वरित समाधान के साथ सुना जाए।

हमारा प्रयास है कि कानून–व्यवस्था को हर परिस्थिति में दृढ़ता से कायम रखा जाए और पारंपरिक अपराधों के साथ–साथ साइबर अपराध जैसे नए आयामों पर भी उतनी ही कठोरता और तकनीकी दक्षता से नियंत्रण हो, इसी के साथ पुलिस सेवाओं को सरल, सुलभ और नागरिक–केंद्रित बनाना और वर्दी के पीछे खड़े हर जवान के कल्याण, मनोबल और परिवार की चिंता करना हमारी नीति का अभिन्न हिस्सा है।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष है की इन सभी प्राथमिकताओं पर योजनाबद्ध कार्य के फलस्वरूप इनके सार्थक परिणाम धरातल पर दिखने लगे हैं।

अंत में, इस पुण्य तिथि पर, मैं उत्तर प्रदेश पुलिस बल की ओर से उन सभी अमर प्रहरी आत्माओं को शत–शत नमन करता हूँ, जिनके साहस और बलिदान ने इस वर्दी को गरिमा और गौरव प्रदान किया है।

मैं प्रदेश वासियों को भी यह दृढ़ आश्वासन देना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश पुलिस सम्पूर्ण निष्ठा, सामर्थ्य और संवेदनशीलता के साथ आपकी सुरक्षा, सेवा और न्याय सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

इसके बाद शहीद पुस्तिका वापस प्राप्त कर वाहक द्वारा शहीद स्मारक स्थल तक ले जायी गयी।

शहीद स्मारक स्थल पर मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, मा0 मंत्रीगण, मुख्य सचिव उ0प्र0, पुलिस महानिदेशक उ0प्र0, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना तथा पुलिस/प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस कर्मियों तथा सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र व पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन् किया गया। पुलिस बलों द्वारा शहीदों को सलामी दी गयी तथा शोक प्रदर्शित किया गया।

इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी उ0प्र0 द्वारा शहीद पुलिसजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये अपने संबोधन के उपरांत शहीद पुलिसजनों के परिजनों से भेंट कर उनकी कुशलक्षेम पूछते हुये उन्हे सम्मानित किया गया।